दसम प्रश्न–पत्र

(दो विकल्प) कोई एक चुनना है।

5125 A

विकल्प–1 : लोक साहित्य

पाठ्य विषय पाँच इकाइयों में विभक्त होगा –

इकाई – I

लोक साहित्य का सैद्धान्तिक विवेचन (अध्ययन)

लोक से अभिप्राय, लोक मानस, लोक का संबंध आदिम से अद्यतन, लोक साहित्य एवं परिनिष्ठित साहित्य का संबंध एवं भेद, लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों– नृविज्ञान, दर्शन, इतिहास, समाजशास्त्र एवं मनोविज्ञान से संबंध।

इकाई – II

हिन्दी प्रदेशों के लोक साहित्य का अध्ययन।

हिन्दी प्रदेशों के लोकगीतों, लोक गाथा, लोककथा, लोक नाट्य, लोक संगीत इत्यादि प्रदर्शनकारी कलाओं का संक्षिप्त अध्ययन।

इकाई – III

राजस्थानी की विभिन्न बोलियों – मारवाड़ी, मेवाड़ी, ढूँढाड़ी, हाड़ौती, मेवाती, वागड़ी के लोक साहित्य का अध्ययन।

इकाई – IV

राजस्थानी लोक साहित्य संस्कृति का अध्ययन– शोध केन्द्र, मेले, प्रदर्शनी, संग्रहालय, पत्र–पत्रिकाएँ।

लोक के क्षेत्र के महत्त्वपूर्ण हस्ताक्षर– लक्ष्मी कुमारी चुण्डावत, कोमल कोठारी, विजयदान देथा, सीताराम लालस, अगरचन्द नाहटा, देवीलाल सामर।

इकाई – V

मेवाड़–वागड़ अंचल का लोक साहित्य व संस्कृति– गवरी, माच, लोकगीत, लोकगाथा, लोक संगीत व वाद्य और मेले।

सहायक ग्रंथ –

1. श्यामाचरण दुबे : मानव और संस्कृति, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. श्यामाचरण दुबे : परम्परा, इतिहास बोध और संस्कृति, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
3. श्यामाचरण दुबे : लोक परम्परा, पहचान और प्रवाह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. डी.आर. आहूजा, राजस्थान लोक संस्कृति और साहित्य, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
5. ए.के. रामानुजन : भारत की लोक कथाएँ, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
6. डॉ. जयसिंह नीरज (सं.), राजस्थान की सांस्कृतिक परम्परा, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
7. गोपीनाथ शर्मा : राजस्थान का सांस्कृतिक इतिहास, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
8. नानुराम संस्कर्ता : राजस्थानी लोक साहित्य, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर
9. देवीलाल सामर : भारतीय लोक नाट्य : वस्तु और शिल्प, भारतीय लोक कला मण्डल, उदयपुर
10. लक्ष्मीकुमारी चुण्डावत : सांस्कृतिक राजस्थान, पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस, जयपुर
11. पीयूष दईया (सं.) : लोक : लोक कला मण्डल, उदयपुर

•••